छोटे रैकून का रात्रि रोमांच

लिलियन मूर

चित्र: डेबोरा बोर्गो

छोटे रैकून का रात्रि रोमांच

लिलियन मूर

चित्र: डेबोरा बोर्गो

छोटे रैकून की उम्र कम थी
लेकिन वह बहादुर था.
एक दिन माँ रैकून ने उससे कहा,
"आज रात पूर्णिमा का चाँद होगा.
क्या तुम अकेले बहते हुए
तालाब तक जा सकते हो छोटे रैकून?
क्या तुम रात के खाने के लिए कुछ क्रेफ़िश ला सकते हो?"

"हाँ, हाँ!" छोटे रैकून ने कहा.
"मां, मैं तुम्हारे लिए अब तक की सबसे अच्छी क्रेफ़िश लाऊँगा!"
छोटा रैकून छोटा था लेकिन वह बहादुर था.
उस रात उसकी माँ ने कहा,
"अब जाओ, छोटे रैकून.
तब तक चलना जब तक तुम तालाब तक न पहुँच जाओ."

"तुम्हें तालाब के उस पार
एक बड़ा पेड़ दिखेगा," माँ ने कहा.
"पेड़ पर चलकर तालाब के उस पार जाना.
उसके दूसरी तरफ़ क्रेफ़िश खोदने के
लिए सबसे अच्छी जगह है."
छोटा रैकून चांद की
चमकती रोशनी में आगे बढ़ा.

वह बहुत खुश और गर्वित था.
आज वह पहली बार
जंगल में बिल्कुल अकेला टहल रहा था
.जल्द ही उसकी मुलाकात बूढ़े साही से हुई.

"अकेले?" बूढ़े साही ने कहा. "तुम कहाँ जा रहे हो?"

"रात के खाने के लिए क्रेफ़िश लाने,"

छोटे रैकून ने गर्व से कहा.

"ज़रा सावधान रहना, छोटे रैकून.

क्योंकि तुम्हारे पास कांटे नहीं हैं!"

"मुझे डर नहीं लगता है," छोटे रैकून ने कहा,

और वह आगे बढ़ता गया.

जल्द ही वह उस जगह पहुँच गया

जहाँ मीठी घास उगी थी. वहाँ पर बड़ा स्कंक था.

"तुम रात में बिल्कुल अकेले कहाँ जा रहे हो?" स्कंक ने पूछा.

छोटे रैकून ने उसे पूरी बात बताई.

"सावधान रहना," बड़े स्कंक ने कहा.

"तुम्हें पता है कि तुम गन्दी बदबू नहीं फैला सकते हो!"
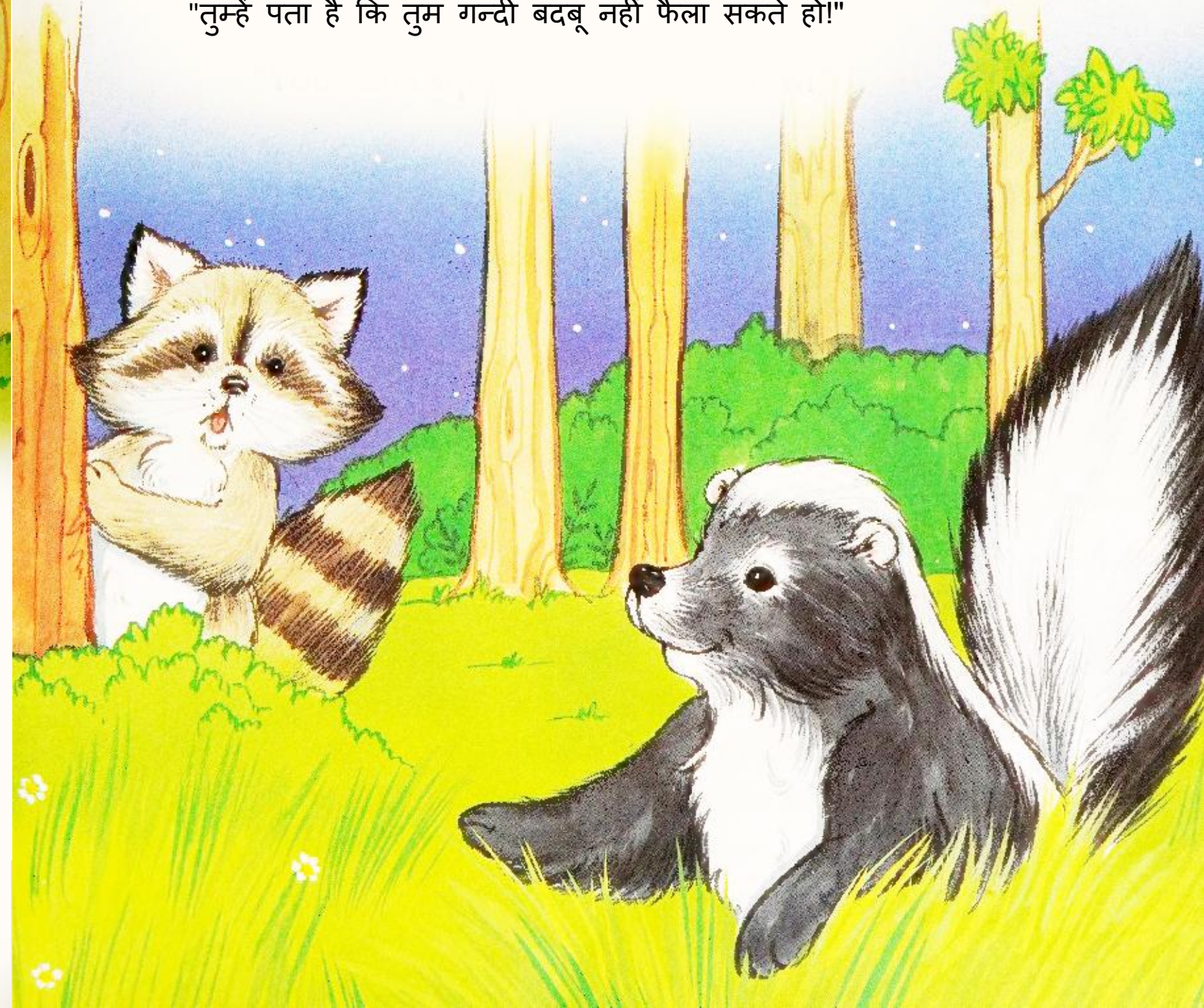
छोटा रैकून दौड़ता रहा.

बहती धारा से कुछ ही दूरी पर

उसे एक मोटा खरगोश दिखाई दिया.

"तुम अकेले कहाँ जा रहे हो, छोटे रैकून?" उसने पूछा.

"तालाब के उस पार क्रेफ़िश खोदने,"

छोटे रैकून ने उसे बताया.
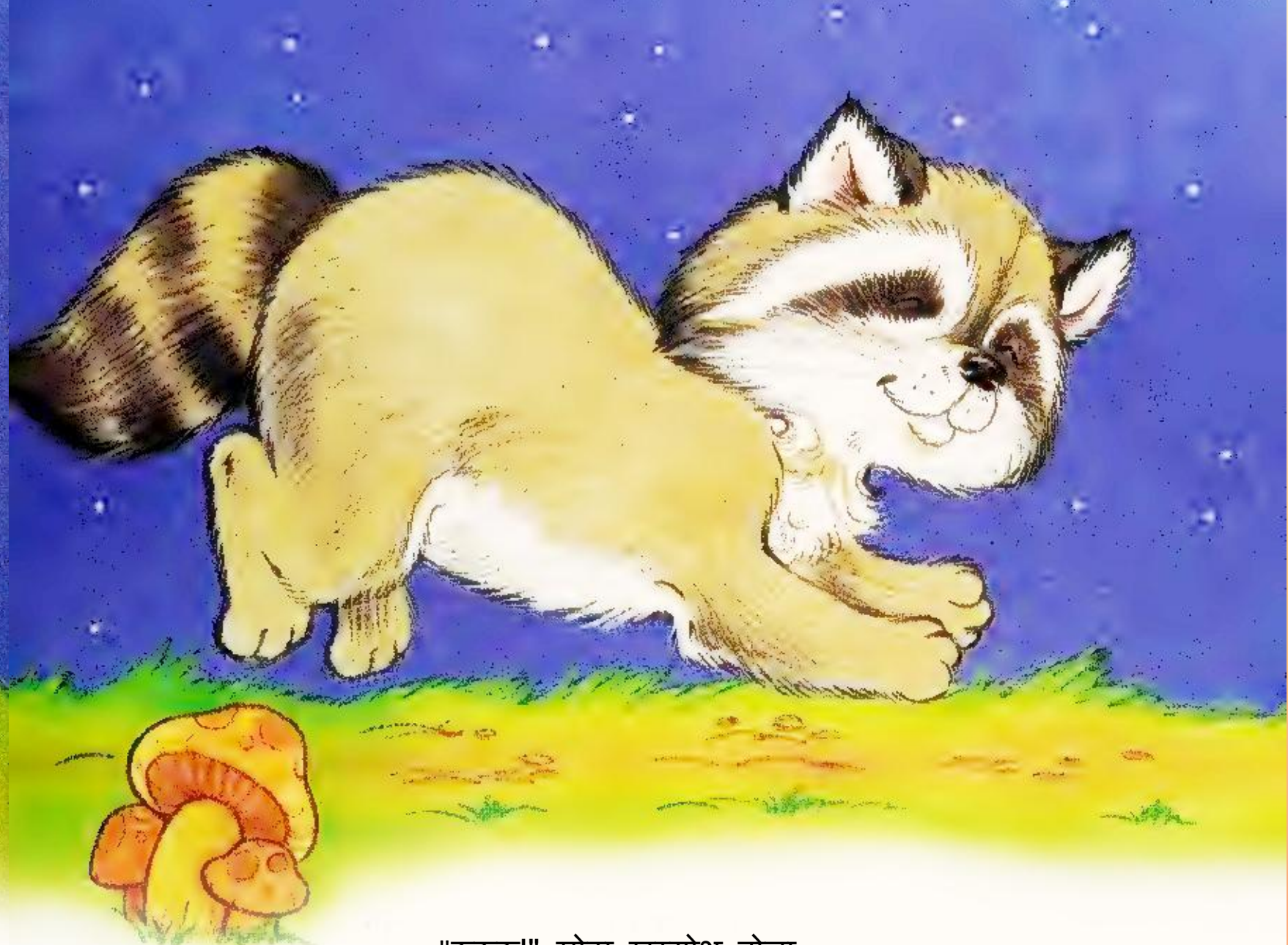
"ऊऊऊ!" मोटा खरगोश बोला.

"क्या तुम्हें डर नहीं लगता?"

"किस चीज़ का डर?" छोटे रैकून ने पूछा.

"उस चीज़ से जो तालाब में है,"

मोटा खरगोश बोला. "मैं तो उससे डरता हूँ!"

"लेकिन मैं नहीं डरता," छोटा रैकून बोला,

और फिर वह आगे दौड़ता चला गया.

जल्द ही वह उस पेड़ के पास पहुँच गया
जिससे उसे तालाब को पार करना था.
छोटा रैकून पार करने लगा.
वह तालाब में मौजूद उस
चीज़ के बारे में सोचना नहीं चाहता था.
लेकिन उसे बस रुकना पड़ा—
और नीचे देखना पड़ा.
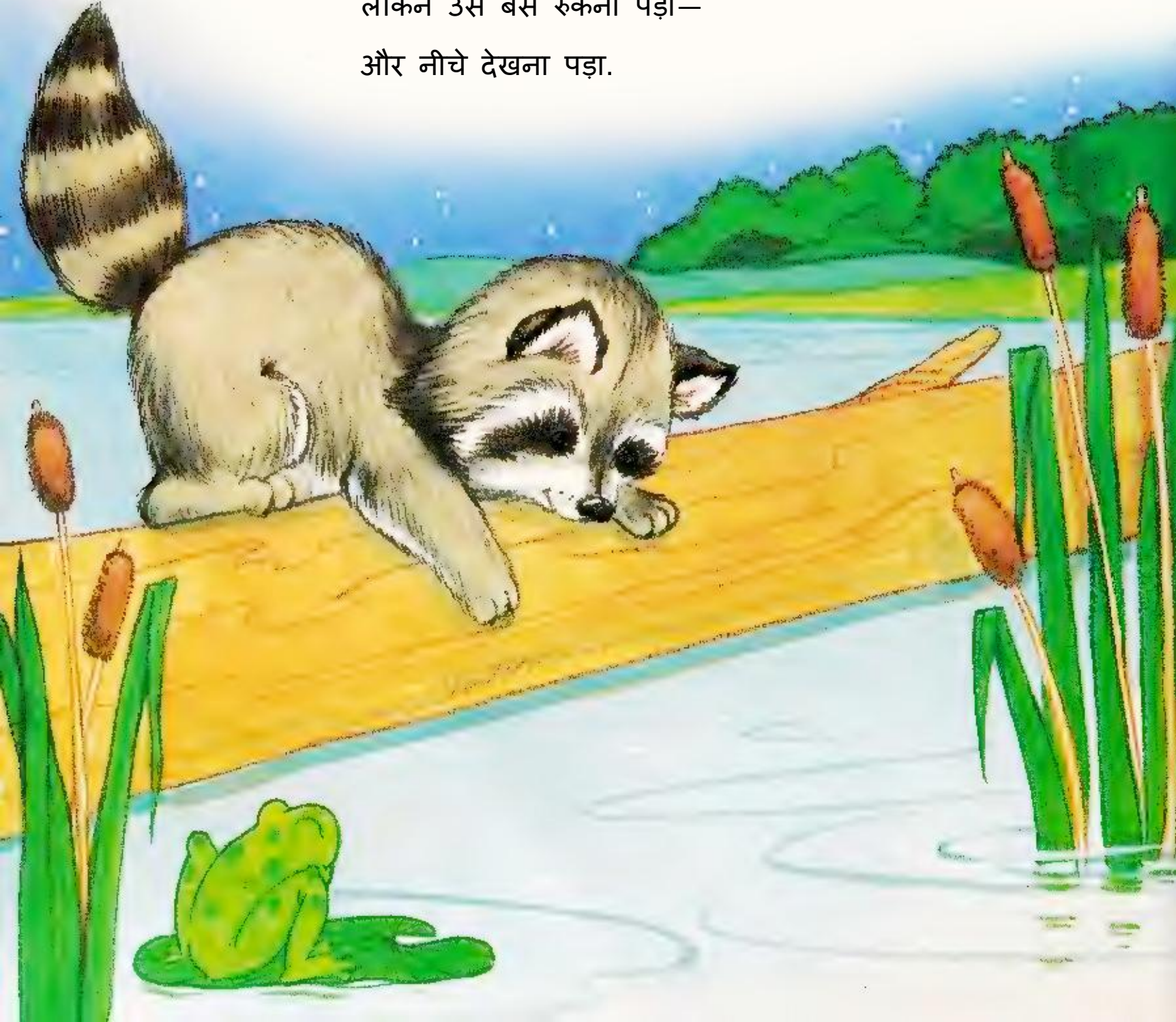
नीचे से कोई उसे घूर रहा था!
छोटा रैकून यह नहीं दिखाना चाहता था
कि वह डर गया है. इसलिए उसने मुँह बनाया.
तालाब में मौजूद चीज़ ने भी मुँह बनाया—
उसने एक बड़ा डरावना सा मुँह बनाया.
फिर छोटा रैकून वहां से मुड़ा और भागा.

वह तब तक नहीं रुका जब तक उसने बड़े स्कंक को नहीं देखा

"यह क्या? तुम भाग क्यों रहे हो?" बड़े स्कंक ने पूछा

"तालाब में कोई बड़ी दुष्ट चीज़ है!" छोटा रैकून चिल्लाया.

"इस बार तुम एक पत्थर अपने साथ लेकर जाओ,"

बड़े स्कंक ने सलाह दी.

"तुम उस चीज़ को दिखाना कि तुम्हारे पास एक पत्थर है!"

छोटा रैकून क्रेफ़िश घर लाना चाहता था,

इसलिए उसने एक पत्थर उठाया और वो तालाब पर वापस गया.

छोटे रैकून ने पानी में नीचे देखा,

फिर उसने अपना पत्थर ऊपर उठाया.

तालाब में मौजूद चीज़ ने भी एक पत्थर ऊपर उठाया—एक बड़ा पत्थर.
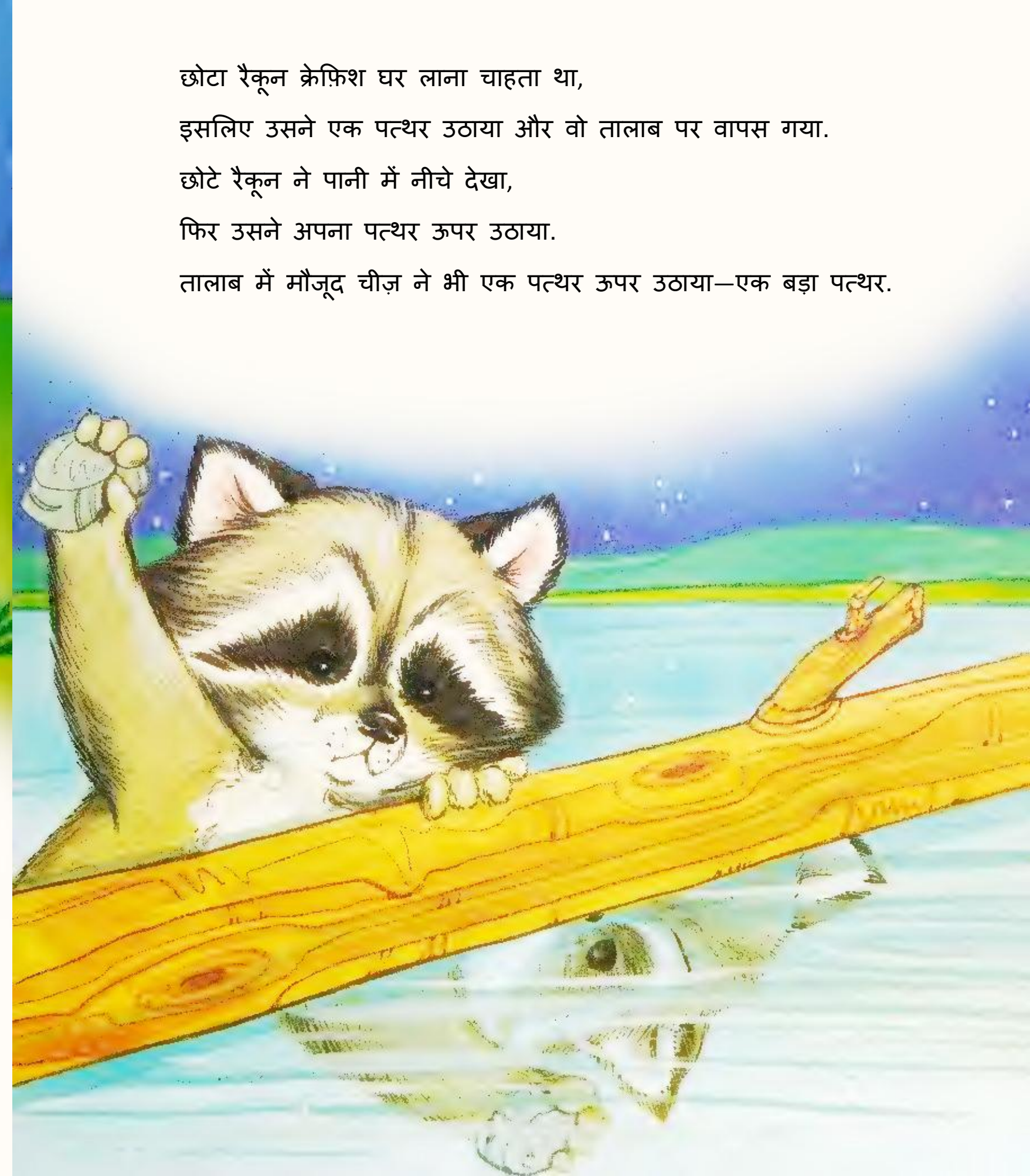
छोटा रैकून बहादुर था लेकिन वह छोटा था.

वह दौड़ता रहा और दौड़ता रहा और वो तब तक नहीं रुका

जब तक उसने बूढ़े साही को नहीं देखा.

उसने साही को तालाब में पड़ी चीज़ के बारे में बताया.

"उसके पास भी एक बड़ा पत्थर था!"

छोटे रैकून ने कहा.

"इस बार तुम एक छड़ी लेकर वापस जाओ,"

बूढ़े साही ने सुझाव दिया.

फिर छोटे रैकून ने एक मज़बूत छड़ी ली,

और वो तालाब की ओर वापस चला.

इस बार छोटे रैकून ने अपनी छड़ी उठाई और उसे हिलाया.

लेकिन तालाब में मौजूद चीज़ के पास भी एक छड़ी थी.
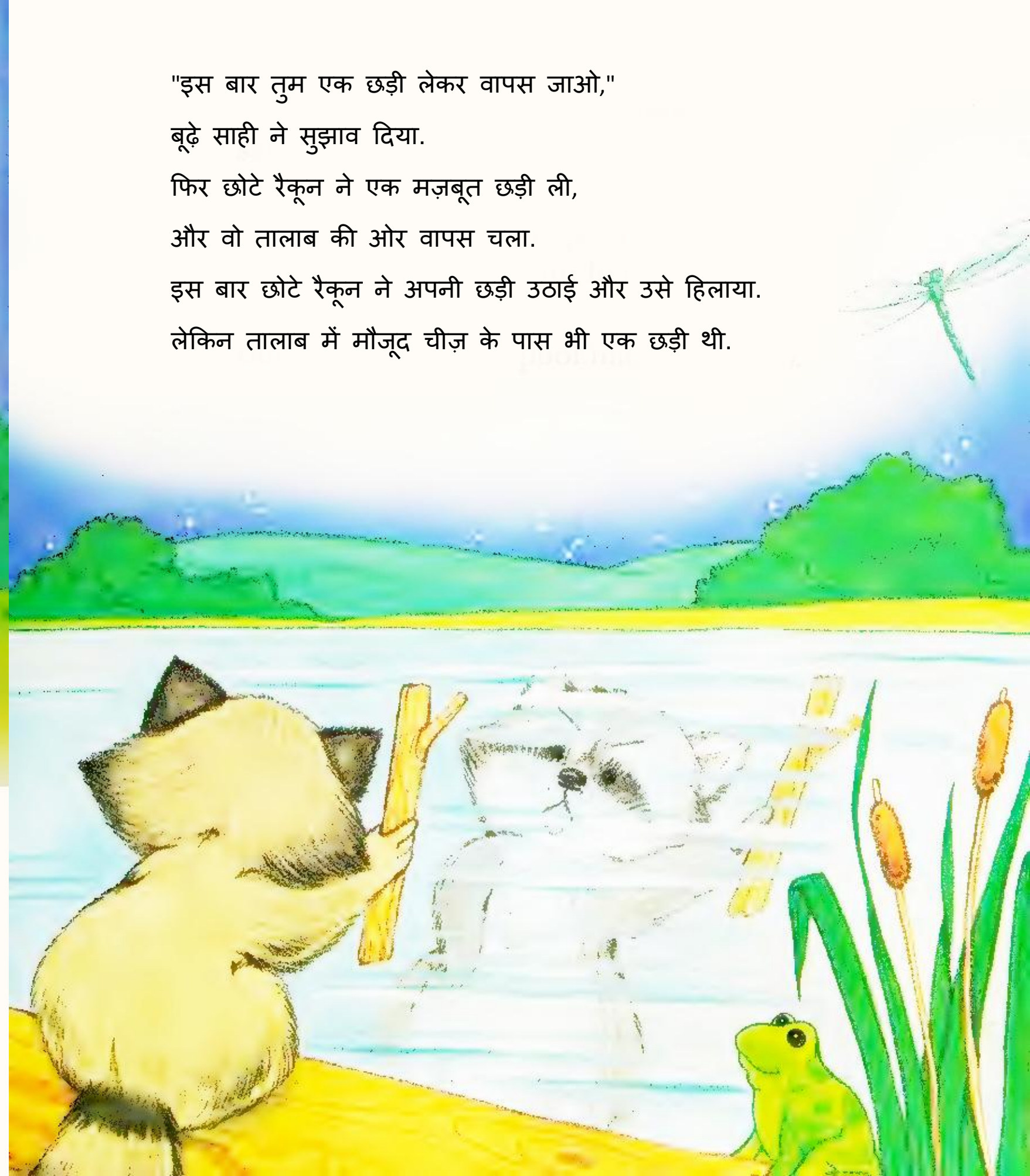
छोटे रैकून ने अपनी छड़ी गिरा दी
और वो वहां से तेज़ी से भागा.

मोटे खरगोश के पास से—

बड़े स्कंक के पास से—

बूढ़े साही के पास से—

और वह तब तक नहीं रुका जब
तक वह घर नहीं पहुँच गया.

छोटे रैकून ने अपनी माँ को
तालाब वाली भयानक चीज़ के बारे में सब कुछ बताया.
"मैं अकेले ही क्रेफ़िश पकड़ने जाना चाहता था,"
उसने उदास होकर कहा.
"और तुम वो ज़रूर करो पाओगे," माँ रैकून ने कहा.
"छोटे रैकून, तुम तालाब पर वापस जाओ.
इस बार बस तुम उस चीज़ पर बस मुस्कुराना."

"बस इतना ही?" छोटे रैकून ने पूछा.
"क्या तुम्हें यकीन है?"
"मुझे यकीन है," उसकी माँ ने कहा.
छोटा रैकून बहादुर था
और उसकी माँ को इस बात पर भी यकीन था.
इसलिए वह वापस तालाब तक गया

छोटा रैकून स्थिर खड़ा रहा.

उसने नीचे देखा.

फिर वो तालाब वाली चीज़ को देखकर मुस्कुराया.

तालाब में मौजूद चीज़ भी उसे देखकर मुस्कुराई!

छोटा रैकून इतना खुश हुआ

कि वह हँसने लगा.

फिर तालाब में मौजूद चीज़ भी हँसी.

"अब यह दोस्त बनना चाहता है," छोटे रैकून ने सोचा.

"अब मैं नदी पार कर सकता हूँ."

वह तालाब के दूसरी तरफ दौड़ा और उसने खुदाई की.

जल्द ही उसने खूब सारी मनचाही क्रेफ़िश इकट्ठी कीं.

वापस आते हुए, उसने तालाब में मौजूद चीज़ को हाथ हिलाया.

तालाब में मौजूद चीज़ ने भी उसे हाथ हिलाया.

छोटा रैकून क्रेफ़िश लेकर घर तक दौड़ा.

"यह क्रेफ़िश बहुत अच्छी है,"

उसकी माँ ने कहा.

"मैं अब कभी भी अकेले वहां पर जा सकता हूँ,"

छोटे रैकून ने कहा.

"मुझे तालाब में मौजूद चीज़ से डर नहीं लगता है."

"मुझे पता है," माँ रैकून ने कहा.

छोटे रैकून ने अपनी माँ की तरफ देखा.

"बताओ?" उसने पूछा.

"तालाब में वह चीज़ क्या थी?"

माँ रैकून हँसने लगी.

फिर उसने उसे सच बताया.

समाप्त